भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 249

दिनांक **19** जुलाई, 2022 के लिए प्रश्न

वन हेल्थ पायलट प्रोजेक्ट

249. श्री प्रतावराव जाधव:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री सुब्रत पाठक:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री संगम लाल गुप्ता:

श्री मनोज तिवारी:

श्री रमेश बिधूड़ी:

श्री रवि किशन:

श्री रविन्दर कुशवाहा:

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने पशु, मानव और पर्यावरण स्वास्थ्य के हितधारकों को एक साझां मंच पर लाने के लिए देश में "वन हेल्थ पायलट परियोजना" शुरू की है/करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं और उक्त परियोजना की मुख्य विशेषताएं क्या है;

(ग) उन राज्यों के नाम क्या हैं जिनमें इसे शुरू किए जाने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार ने उक्त परियोजना के लिए कोई निधि निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस परियोजना के लिए निधि किस प्रकार जारी किए जाने की संभावना है;

(ङ) देश में मछुआरों के लिए डीएएचडी किस प्रकार लाभप्रद होने की संभावना है; और

(च) देश में मछुआरों के आर्थिक उत्थान और कल्याण के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) से (ग) जी हां, पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) के तकनीकी सहयोग से देश में वन-हेल्थ का कार्यान्वयन पहले ही शुरू कर दिया है। उत्तराखंड में 6 अप्रैल, 2022 को और कर्नाटक में 28 जून, 2022 को दो अग्रणी परियोजनाएं पहले ही शुरू की जा चुकी हैं।

इस परियोजना की मुख्य विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

i. सूचना साझा करने के लिए अंतरक्षेत्रीय समन्वय हेतु तंत्र को संस्थागत बनाना
ii. क्षेत्र और प्रयोगशालाओं में बहुक्षेत्रीय पेशेवरों की क्षमता का निर्माण।
iii. संचार को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान देते हुए नैदानिक प्रयोगशालाओं के नेटवर्क को एकीकृत करना।
iv. पशु स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर जोर देते हुए क्षेत्र कार्यकर्ताओं और समुदाय दोनों के लिए संचार उपकरण और चैनल विकसित और कार्यान्वित करना।

(घ) बीएमजीएफ द्वारा समर्थित इस परियोजना के तहत विभाग की ओर से कोई वित्तीय भागीदारी नहीं है।

(ड़) से (च) यह परियोजना देश में मछुआरों के आर्थिक उत्थान और कल्याण की दिशा में काम नहीं करती है।

*****